गौहाटी विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के संबोधन का प्रारूप

दिनांक 15 मार्च 2024, शुक्रवार	**समय : 11.00 AM**	**स्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय**

- माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जी,
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़, के निदेशक और आई.आई.टी, गुवाहाटी के कार्यवाहक निदेशक अध्यापक श्री राजीव आहूजा जी,
- गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रताप ज्योति हैंडिक जी,
- उपस्थित अन्य अधिकारी गण
- कार्यकारी परिषद, विश्वविद्यालय कोर्ट और शैक्षिक परिषद के सम्मानित सदस्य गण
- संकायों के अध्यक्षों तथा सदस्यों,
- कुलसचिव और अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण
- मेरे प्रिय विद्यार्थियों

नमस्कार !

1. आज इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपके बीच उपस्थित होकर मुझे खुशी हो रही है। मैं आपकी खुशी और उत्साह में शामिल हूँ, क्योंकि विश्वविद्यालय भविष्य की ओर अपनी यात्रा में एक और सफल वर्ष पूरा कर रहा है, और छात्रों का एक नया बैच विभिन्न क्षेत्रों में अपनी डिग्री के साथ बाहरी दुनिया में कदम रख रहा हैं।
2. **यह एक ऐसा वर्ष रहा है, जिसमें "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" को असम में लागू किया गया। इस विश्वविद्यालय ने स्वयं पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड मास्टर प्रोग्राम शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझे इस उपलब्धि पर गर्व हैं।**

3. मैं इस राज्य में शिक्षा की वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में बहुत ही आशावादी हूँ, और विशेष रूप से “राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020” और “विकसित भारत-2047” की संभावनाओं को देखते हुए मैं उच्च शिक्षा के क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और विकास में विशेष रुचि ले रहा हूँ।

4. दीक्षांत समारोह किसी भी संस्थान के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है। दीक्षांत समारोह एक ऐसा अवसर है, जब आपको अपनी डिग्री या प्रमाणपत्र के रूप में अपनी सच्ची कड़ी मेहनत और समर्पण का पुरस्कार मिलता है।

5. आप न केवल अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाएं, बल्कि विकास, दृढ़ता और खोज की अपनी यात्रा का भी जश्न मनाएं, जिसने आपको यह सुखद अवसर प्रदान किया है।

6. मेरे मन में आपके माता-पिता, अभिभावकों, परिवार के अन्य सदस्यों का विचार आता है, जिन्होंने आपकी इस यात्रा में आपका साथ दिया है। मेरा मानना है कि इस अवसर पर अपने प्रयासों के साथ-साथ उन लोगों के प्रयासों को भी पहचानना और सराहना करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि कभी भी बिना लागत के कुछ नहीं मिलता। उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए भी आपके परिवार को लागत लगानी पड़ी है, फिर चाहे वह वित्तीय लागत हो या श्रम एवं समय का बलिदान हो।
7. आज आपने जो डिग्री अर्जित की है वह आपको उन सपनों को साकार करने के लिए सशक्त बनाएगी, जो आपने और आपके परिवार ने वर्षों से संजोए हैं। मुझे यकीन है कि आप अपने सपनों और विचारों के साथ पेशेवर दुनिया में अपना विशिष्ट मार्ग और पहचान बनाएंगे।

8. विश्वविद्यालय नवीनतम शैक्षिक और तकनीकी प्रगति को शामिल करते हुए सभी शिक्षार्थियों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

9. विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य हैं-

   i. आबादी के बड़े हिस्से और विशेष रूप से दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले वंचित समुदायों को उच्च शिक्षा प्रदान करना

   ii. प्राकृतिक और मानव संसाधनों के आधार पर देश की अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए रोजगार और आवश्यक कारकों से संबंधित डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम को मजबूत और विविधता प्रदान करना।

   iii. राज्य में शैक्षिक प्रणाली के सुधार में योगदान के लिए एक गैर-औपचारिक चैनल प्रदान करना, जो शिक्षा की औपचारिक प्रणाली का पूरक हो

iv. आईसीटी (सूचना एवं संचार तकनीक) के उपयोग के साथ-साथ विविधीकरण के माध्यम से सीखने और ज्ञान को आगे बढ़ाना और प्रसारित करना

v. विभिन्न कलाओं और शिल्पों में कौशल विकसित करने के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता बढ़ाने और सुधार करने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना

vi. शिक्षार्थियों को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करना।

10. 1 मार्च, 2011 को गौहाटी विश्वविद्यालय के इतिहास में एक नई शुरुआत हुई, जब इसका अपना कम्यूनिटी रेडियो सर्विस शुरू किया गया। महाबाहु “लुइत” के नाम पर रखा गया यह कम्यूनिटी रेडियो सर्विस “रेडियो लुइत” ने न केवल गौहाटी विश्वविद्यालय, बल्कि आस-पास के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को आवाज देने का प्रयास किया है। यह समुदाय के विकास एवं सशक्तिकरण, सामाजिक एकता, गणतांत्रिक मूल्यों एवं सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

11. हमे याद रखना चाहिए भारत विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। भारत की ज्ञान परंपराएँ मौखिक रूप में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंची है। विविध विषय-वस्तु वाले अनेक अनुशासन भारतीय परंपराओं में देखे जा सकते हैं।

यह अनुशासन और इनका संचित ज्ञान भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) अथवा भारतीय ज्ञान परंपरा (IKT) के रूप से जाना जाता है। इसमें 14 सैद्धांतिक विद्या और 64 कला शामिल हैं, जो दैनिक जीवन में उपयोगी हैं।

येषां न विद्या न तपो न दानम्,
ज्ञानम न शील न गुणो न धर्म।।
ते मृत्यु लोके भुवि यार भूताः
मनुष्यरूपेण म-गा श्चरन्ति।।

शिक्षा का उद्देश्य आपको यह सब सिखाना है। इसलिए, NEP-2020 के अनुसार, भारतीय ज्ञान प्रणाली को गहराई से समझना और प्रभावी तरीक से लागू करना होगा।

12. गौहाटी विश्वविद्यालय की अब तक की यह यात्रा मूल्यवान और सारगर्भित अनुभवों से परिपूर्ण रही हैं। इसके दौरान इस विश्वविद्यालय ने पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए शैक्षिक उत्कृष्टता की एक स्थिर प्रकाशस्तंभ के रूप में भूमिका पालन करने की ऐतिहासिक दायित्व निभाया है।
13. इसके साथ-साथ वर्तमान समय के गम्भीर विषयों को आधुनिक दृष्टिकोण से संबोधित करने के लिए भी इस विश्वविद्यालय ने भरपूर कोशिश किया है। परिवर्तन की इसकी मूल दृष्टि हमेशा बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए तथा समय की आवश्यकता के अनुसार कार्य करने की क्षमता और इच्छा के माध्यम से व्यक्त की गई है।

14. लोगों की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के रूप में अनूठी परिस्थितियों में गौहाटी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। जिन महानुभावों की समझ और दिशा से एक दृढ़ और टिकाऊ संस्थागत ढाँचा तैयार किया गया था, वे हमारी सामूहिक स्मृति में शक्ति के स्रोत के रूप में सदैव वर्तमान रहेंगे।

15. हमारे लक्ष्य कभी भी राष्ट्र से अलग नहीं रहे हैं और समय के साथ-साथ गौहाटी विश्वविद्यालय अपने साथ नई उपलब्धियाँ, नई चुनौतियाँ और जबरदस्त नए अवसर भी लेकर आया है। राष्ट्र एवं युवा नागरिक के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका शिक्षण संस्थानों की होती है। इस क्षेत्र में गौहाटी विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

16. गौहाटी विश्वविद्यालय ने लगातार उच्च शिक्षण और अनुसंधान के मानकों को बनाए रखने में अपने राज्य के साथ-साथ देश के प्रति बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाई हैं।

17. विविधता हमारे देश की प्रमुख विशेषताओं में से एक है और गौहाटी विश्वविद्यालय पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों को आकर्षित करने में इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करता हैं। यहाँ विविध आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से छात्र एक साथ रहने और काम करने आते हैं, और एक-दूसरे के अंतर को समझना और सराहना करना सीखते हैं।

18. हमारे देश के इस खूबसूरत हिस्से में बिताए गए वर्ष के दौरान, मैंने देखा है कि विविधता केवल लोगों और संस्कृतियों के बारे में नहीं हैं, बल्कि इसके भूगोल, इसकी वनस्पतियों और जीवों, इसकी जलवायु और यहाँ तक कि इसके सामने आने वाले जोखिमों के द्वारा भी अभिव्यक्त होता हैं।
19. मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि अध्ययन, शोध, किसी स्थान के मूल तत्वों को संरक्षित करना किसी विश्वविद्यालय के छात्र और अनुसंधान समुदाय की लिए चुनौती हैं।

20. मैं एक बार फिर इस महत्वपूर्ण अवसर पर आप सभी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि आप अकादमिक प्रशंसाओं के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को भी स्वीकार करेंगे। मैं आपको देश और इसके लोगों की सेवा के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।
21. अंत में एक बार फिर उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई और आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद !

जय हिन्द !